NDTV इंडिया

24 July 2023

कोविड के बाद होने वाली दिक्कतों से मिलेगा छुटकारा, CMFRI ने किया न्यूट्रास्युटिकल विकसित करने का दावा

केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सी एम एफ आर आई) ने दावा किया है कि उसने समुद्री शैवाल से 'न्यूट्रास्युटिकल' विकसित की है, जिसके सेवन से कोविड के बाद आने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है. 'न्यूट्रास्युटिकल' खाद्य स्रोतों से प्राप्त उत्पाद हैं जो पोषण और औषधीय गुणों, दोनों से युक्त होते हैं. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई सीए आर) से संबद्ध सी एम एफ आर आई ने जारी एक बयान में कहा कि 'कडलमीन™ इम्युनालगिन' एक्स्ट्रैट (कडलमीन™) नामक उत्पाद में वायरस रोधी गुण है और यह सार्स कोविड-2 वायरस के खिलाफ भी कारगर है.

बयान में सी एम एफ आर आई में समुद्री जैवप्रौद्योगिकी, मत्स्य पोषण और स्वास्थ्य प्रभाग की प्रमुख डॉ. काजल चक्रवर्ती के हवाले से कहा गया है,"यह उत्पाद समुद्री शैवाल-आधारित न्यूट्रास्युटिकल उत्पाद का एक संयोजन है। यह पर्यावरण-अनुकूल 'हरित' तकनीक के जरिये निकाले गए अत्यधिक पौष्टिक जैव सक्रिय अवयवों का 100 प्रतिशत प्राकृतिक मिश्रण है.'